jktLFkku ljdkj

vtesj ekLVj lyku

¼2001&2023½

jktLFkku uxj lq/kkj vf/kfu;e] 1959

ds vUrxZr rS;kj fd;k x;kA

uxj fu;kstu foHkkx]

jktLFkku] t;iqj

आभार

अजमेर के सुनियोजित विकास को गति प्रदान करने के क्रम में अजमेर के विशिष्ट जन प्रतिनिधियों, प्रबुद्ध व गणमान्य नागरिकों तथा नगरीय विकास को, क्रियान्वित करने में सहयोग देने वाले उन सभी व्यक्तियों एवं संस्थाओं को अपना आभार प्रकट करता हूँ, जिन्होने अपना अमूल्य समय इस ऐतिहासिक नगरी के विकास कार्यो में समर्पित किया है।

संभागीय आयुक्त, अजमेर, जिला कलेक्टर, अजमेर, नगर सुधार न्यास, अजमेर का विशेष आभारी हूँ, जिन्होने मास्टर प्लान के प्रारूप को तैयार करने में समय समय पर निरन्तर सहयोग प्रदान किया।

मास्टर प्लान प्रारूप को तैयार करने में विभिन्न स्तरो पर हुए सभी सर्वेक्षणो तथा अन्य सूचनाओं को एकत्र करना आवश्यक होता है। इस विशेष कार्य में विभिन्न सरकारी कार्यालयों तथा सार्वजनिक निर्माण विभाग, विद्युत वितरण निगम, उद्योग, चिकित्सा, जल प्रदाय, शिक्षा, वन,पर्यटन इत्यादि विभागों तथा अन्य निजी संस्थाओं ने अपना सतत सहयोग प्रदान किया है। मैं उन सभी अधिकारीयों तथा कर्मचारियों को धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ, जिन्होने मास्टर प्लान प्रारूप को तैयार करने में अपना प्रत्यक्ष एवं परोक्ष सहयोग दिया है।

अन्त में, मैं सभी नागरिकों से आशा करता हूँ कि भविष्य में इस नगर को मास्टर प्लान प्रस्तावों के अनुरूप सुनियोजित ढंग से विकसित करने में अपना सहयोग देते रहेगें।

दिनांक

(यू. के श्रीवास्तव)
मुख्य नगर नियोजक,
राजस्थान, जयपुर।

1- ifjp;

राजस्थान के ह्रदय स्थल के नाम से विख्यात अजमेर ऐतिहासिक, धार्मिक, शैक्षिणिक, प्रशासकीय एवं पर्यटन के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण केन्द्र है। इसकी स्थापना चौहान वंश के राजा अजय राज द्वारा सन् 1133 में की गई थी।

अजमेर हिन्दु व मुस्लिम दोनों सम्प्रदायों की तीर्थ स्थली है। अजमेर के समीप तीर्थराज पुष्कर में कार्तिक मास में भरने वाले मेले में लाखों देशी – विदेशी पर्यटक आते है तथा इसी प्रकार रजब मास में ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती के उर्स के मेले में देशी – विदेशी से धर्मावलम्बी जायरीन आते है।

शैक्षणिक दृष्टिकोण से ब्रिटिशकाल में स्थापित मेयो कॉलेज व सोफिया गर्ल्स कॉलेज कार्यरत है तथा वर्तमान में विश्वविद्यालय सहित उच्च स्तर के अनेक शिक्षण संस्थान विद्यमान है।

प्रशासकीय दृष्टिकोण से अजमेर महत्वपूर्ण रहा है। पूर्व में मेरवाड़ा राज्य की राजधानी था तथा वर्तमान में जिला तथा सम्भागीय मुख्यालय है। जनसंख्या के दृष्टिकोण से अजमेर नगर राजस्थान का पांचवॉ बड़ा नगर है।

अजमेर शहर मुख्यतः जयपुर – ब्यावर रोड़ पर बसा हुआ तथा छोटी व बड़ी रेल लाईन का एक महत्वपूर्ण जक्शन है। नगर की भौगोलिक अवस्थिति लाभजन्य है। नगर के दक्षिण में भीलवाड़ा नगर है जहां कपडे बनाने, रंगाई आदि करने के कई बड़े उद्योग है। अजमेर नगर के उतर में स्थित किशनगढ़ नगर है जो कि संगमरमर उद्योग का एक महत्वपूर्ण केन्द्र बन गया है। अजमेर के दक्षिण में ही स्थित ब्यावर नगर सीमेन्ट उद्योग व व्यवसाय का एक प्रमुख केन्द्र है। अजमेर की अवस्थिति इन नगरों के मध्य में होनें के कारण यहॉ व्यावसायिक गतिविधियों की वृद्वि हो रही है।

अजमेर शहर में मिश्रित भू–उपयोग की वृहत समस्या है। सामुदायिक सुविधाऍ एवं खुले क्षेत्रों की कमी है। सड़कों पर अतिक्रमण हो रहे है। नियोजित सार्वजनिक परिवहन का अभाव है। नालों की समस्या अत्यधिक है। इसके अतिरिक्त इस शहर में भौतिक रूकावटें भी है। शहर के पश्चिम, उतर एवं पूर्व में पहाड़ है, जिससे कालान्तर में शहर के नियोजित विकास में बाधाएं उत्पन्न हुई है। शहर का अधिकांश विकास घाटी में हुआ है जिससे कतिपय बाढ़ की समस्या रहती है। शहर के विकास को रेल्वे स्टेशन व रेल्वे लाईन भी अवरूद्ध करती है। एक तरफ रेल्वे क्षेत्र, मेयो कॉलेज, सी.आ.पी.एफ. आदि संगठनों की काफी मात्रा में खुली भूमि पड़ी है, तो दूसरी तरफ पुराने शहर में चारदीवारी के अन्दर सघन आबादी वाला क्षेत्र है, जिसमें सड़कें बहुत तंग है तथा अनेक बाजार नालों पर बन गये है।

दरगाह के आस–पास 6 मंजिले होटल व लॉज अव्यवस्थित ढंग से बन गये है । ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती के सालाना उर्स के समय यातायात व पार्किंग की समस्या विकट हो जाती है।

अजमेर शहर मुख्यतः जयपुर – ब्यावर रोड़ पर बसा हुआ है। इस सड़क पर यातायात का दबाव अधिक है। शहर के आस–पास के पहाड़ो की तीव्र ढ़लानों पर भी अतिक्रमण हो जाने से कच्ची बस्तियॉ नासूर की तरह विकसित हो रही है । अजमेर के मास्टर प्लान 1971 – 2001 में उपरोक्त समस्याओं के समाधान हेतु आवश्यक सुझाव दिये गये थे। मास्टर प्लान का क्रियान्वन नगर विकास न्यास, नगर परिषद् व विभित्र विभागो द्वारा किया जाना था, परन्तु वितीय संसाधनो एवं अन्य कई कारणों की कमी की वजह से मास्टर प्लान के अनुरूप शहर का विकास नही हो सका।

राज्य सरकार ने वर्ष 2001 में राजस्थान नगर सुधार अधिनियम 1959 की धारा 3(1) के तहत दिनांक 14–12–2001 को अधिसूचना जारी कर मुख्य नगर नियोजक राजस्थान, जयपुर को अजमेर शहर का नया मास्टर प्लान क्षैतिज वर्ष 2023 तक के लिए बनाने हेतु अधिकृत किया गया।

अजमेर के मास्टर प्लान हेतु 35 राजस्व ग्रामों को नगरीय क्षेत्र में सम्मिलित करते हुये नगरीय क्षेत्र की अधिसूचना जारी की गई। मास्टर प्लान के अन्तर्गत कुल अधिसूचित नगरीय क्षेत्र 92754 एकड़ है। मास्टर प्लान के लिए वर्ष 2001 को आधार वर्ष मानकर विभित्र सर्वेक्षण करवाए गए। क्षैतिज वर्ष 2023 तक अजमेर शहर की जनसंख्या लगभग 7.5 लाख हो जाने का अनुमान है। इस जनसंख्या के लिए आधारभूत सुविधाओं को ध्यान में रखकर मास्टर प्लान में भू –उपयोग के प्रस्ताव दिए गए है। शहर को 7 उप क्षेत्रों में विभाजित किया गया है।

वर्ष 2023 तक अजमेर शहर की विभित्र भावी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए योजना मानदण्डो के अनुरूप आवश्यकतानुसार भूमि का आंकलन एवं स्थल निर्धारण किया गया है। इन सभी अध्ययनो के आधार पर अजमेर के मास्टर प्लान का प्रारूप तैयार कर उक्त अधिनियम की धारा 5(1) में प्रदत प्रावधान के तहत आम जनता से आपतियॉ एवं सुझाव प्राप्त करने के लिए दिनॉक 28/6/2002 को जारी किया गया एवं 30 दिवसो की समयावधि के लिए सूचना केन्द्र अजमेर में जनता के अवलोकनार्थ प्रदर्शनी आयोजित की गयी। प्रारूप मास्टर प्लान की प्रतियॉ विभिन्न विभागों, स्थानीय निकायों, नगरीय क्षेत्र में सम्मिलित राजस्व ग्रामों की ग्राम पंचायतों आदि को सुझावो हेतु भेजी गयी व मास्टर प्लान के प्रारूप के जारी करने के सम्बन्ध में अधिसूचना स्थानीय समाचार पत्रों में प्रकाशित की गयी। अजमेर मास्टर प्लान के प्रारूप पर निर्धारित 30 दिवसो की समयावधि में कुल 106 आपतियॉ/सुझाव पत्र प्राप्त हुए जिनके तहत कुल 225 आपतियॉ/सुझाव दर्ज किये गये । प्राप्त सभी आपतियों/सुझावों का विस्तृत विश्लेषण एवं

आवश्यकतानुसार मौका निरीक्षण किया गया। जॉच के उपरान्त 23 आपतियॉ/सुझावों को स्वीकृत एवं 7 को आंशिक रूप से स्वीकृत योग्य पाया गया, जबकि 95 आपतियॉ/सुझाव स्वीकृत योग्य नही पाये गये। शेष 100 आपतियों/सुझावों के अन्तर्गत मास्टर प्लान में विभागीय स्तर पर कार्यवाही अपेक्षित नहीं समझी गयी, क्योंकि अधिकांशतः सामान्य प्रकृति के थे। इस प्रकार अजमेर की मास्टर प्लान रिपोर्ट एवं भू – उपयोग मानचित्र 2023 में स्वीकृत आपतियों/सुझावो के अनुसार अपेक्षित परिवर्तन प्रस्तावित करते हुए अजमेर का मास्टर प्लान –2023 राजस्थान नगर सुधार अधिनियम, 1959 की धारा 5(3) के अनुरूप अन्तिम रूप से तैयार कर उक्त अधिनियम की धारा 6(1) में प्रदत प्रावधानों के अनुसरण में राज्य सरकार के अनुमोदनार्थ प्रेषित है।

दिनांकः 17.03.2005

(यु.के. श्रीवास्तव)
मुख्य नगर नियोजक,
राजस्थान, जयपुर।

यह मास्टर प्लान राज्य सरकार द्वारा राजस्थान नगर सुधार अधिनियम 1959 की धारा 6 की उप धारा (3) के अन्तर्गत अनुमोदित कर उक्त अधिनियम की धारा 7 के अनुसरण में अधिसूचना क्रमांक प.1(5)नविव/3/94 दिनांक 4.4.2005 के द्वारा अधिसूचित कर दिया गया है(परिशिष्ठ–4)।

2- fo|eku fo'k"krk,|

अजमेर शहर की विद्यमान विशेषताएं एवं विकास विन्यास का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया जा रहा है, जिससे अजमेर शहर को विकास के लिये आवश्यक पृष्ठीभूमि आधार एवं दिशा निर्देश मिल सके।

अजमेर शहर जनसंख्या की दृष्टि से राजस्थान का पाचवां बड़ा   शहर है। यह धार्मिक एवं पर्यटन की दृष्टि से विश्व – प्रसिद्ध ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह, जैन धर्म की कलात्मक स्वर्ण नसियॉ, विशाल सॉईबाबा का नवनिर्मित मन्दिर, क्रिश्चियन धर्म का प्राचीन चर्च, आर्य समाज के कई शैक्षणिक, शोध संस्थान तथा सामाजिक प्रर्वतक स्वामी दयानन्द सरस्वती की निर्वाण स्थाली के अतिरिक्त निकट ही तीर्थ राज पुष्कार सरोवर स्थित है। राजस्थान लोक सेवा आयोग, उतर – पश्चिम रेल्वे मण्डल कार्यालय, रेल्वे भर्ती–बोर्ड, केन्द्रीय शिक्षा बोर्ड, राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, महा– निरीक्षक पंजीयन एवं मुद्रॉक विभाग तथा राजस्व मण्डल अजमेर को महता प्रदान करते है। अजमेर शहर मुख्य रेल्वे जंक्शन है। यहॉ से दिल्ली,जयपुर, अहमदाबाद, रतलाम इत्यादि प्रमुख शहर रेल सेवा से सीधे जुड़े हुएं है।

2-1 Hkk'frd Lo:Ik ,o tyok;|

अजमेर शहर अरावली पर्वत श्रृंखला की पूर्वी तलहटी पर समुद्रतल से 450 मीटर की ऊॅचाई पर स्थित है। अजमेर शहर 25 .27 उतरी अक्षांश एवं 74. 37 पूर्वी देशान्तर पर स्थित है।

यह शहर दिल्ली – अहमदाबाद बड़ी रेल लाईन का महत्वपूर्ण जंक्शन है तथा यह शहर दिल्ली – अहमदाबाद राष्टीय राजमार्ग संख्या 8 पर स्थित है। अजमेर शहर अरावली घाटी की तलहटी पर बसा हुआ है। शहर के तीन ओर पहाड़ है, जो कि शहर की सुन्दरता को बढाते है।

अरावली पहाड़ियॉ शहर को पच्छुवा हवाओं और तुफान से बचाती है। गर्मिया `में शहर का औसत तापमान 40 सेल्सियस और शीतकाल में न्यूतम 6 सेल्सियस रहता है तथा वार्षिक वर्षा का औसत 50 से.मी. है। सामान्यतः यहॉ का मौसम सुहावना रहता है।

2-2 {k=h; ifji{; %

अजमेर शहर के दक्षिण में भीलवाड़ा एवं ब्यावर शहर है जहॉ कपडा बुनाई, रंगाई आदि करने के कई बड़े उद्योग है तथा सीमेन्ट उद्योग प्रमुख व्यवसाय है। अजमेर शहर के उतर में किशनगढ़ शहर है, जो कि एशिया में मार्बल उद्योग के एक प्रमुख केन्द्र के रूप में उभर गया है। अजमेर इन सभी शहरो के बीच स्थित है। अतः इन शहरो के कारए अजमेर शहर में भी व्यावसायिक गतिविधियॉ बढ़ रही है।

2-3 ,frgkfld %

राजस्थान की ह्रदयस्थली अजमेर शहर केवल राजस्थान में ही नहीं अपितु देश के इतिहास में भी अपना महत्वपूर्ण स्थान रखता है। ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के अनुसार इसकी स्थापना चौहान वंश के राजा अजयराज द्वारा सन् 1133 में की गई थी और स्थापना के समय इसको अजयमेरू के नाम से जाना जाता था।

प्राचीन समय ंमे अजमेर शहर का विकास अन्दर कोट व दरगाह के आस–पास के क्षेत्र में हुआ था। अरावली पर्वत श्रृंखलाओं की ऊॅचाई पर चौहान वंश के शासक अजयदेव ने तारागढ़ के प्रसिद्व किले का निर्माण करवाया। तारागढ़ पहाड़ी पर समुद्रतल से 2855 फुट की ऊॅचाई पर स्थित है। अन्दर कोट के क्षेत्र में एक भव्य मन्दिर का निर्माण हुआ था। 12 वीं शताब्दी के अंत तक चौहान वंश के अन्तिम शासक पृथ्वीराज चौहान को हरा कर पठानो ने यहॉ पर अपना साम्राज्य स्थापित किया। इसके कुछ वर्ष के बाद ही मुगल वंश ने अपना आधिपत्य कर लिया।

सन्1213 में स्थापत्य कला से निर्मित संस्कृत विद्यालय को तुड़वाकर सुल्तान शमशुद्दीन अल्तमश ने इसके स्थान पर अढ़ाई दिन के झोपड़े का निमार्ण किया। इसके समीप ही सन्1464 में सुल्तान गयासुद्दीन ने पीर मोईनुद्दीन चिश्ती की क्रब पर गुम्बज का निमार्ण किया। अकबर के शासन काल में सन् 1570 में दरगाह बाजार का निमार्ण कराया। वर्तमान संग्रहालय पहले एक किला था जिसे शस्त्रालय के रूप में काम में लिया जाता था। सम्राट जहांगीर ने आनासागर पर एक शाही बाग बनवाया, जिसको दौलतबाग/सुभाष उद्यान के नाम से जाना जाता है। आनासागर झील के सौन्दर्य को और बढाने के लिये सम्राट शाहजहॉ ने सन् 1627 में संगमरमर की पॉच कलात्मक बारहदरियॉ बनवाई।

मुगलकाल में अकबर एवं जहांगीर साम्राज्य की अस्थाई गद्दी अजमेर में रही थी। भारत में ब्रिटिश साम्राज्य के विस्तार के दौरान मुगल शासको की समस्याओं व विफलताओं का फायदा उठाकर ब्रिटिश आफीसर कर्नल टाड ने अजमेर पर कब्जा कर लिया। 19 वीं शताब्दी के शुरू में अजमेर ब्रिटिश व्यापार एवं वाणिज्यिक गतिविधियो का महत्वपूर्ण केन्द्र बन गया। साथ ही यह शिक्षा, प्रशासन और फौजी नियंत्रण मुख्यालय के रूप में प्रसिद्व हुआ। सन्1869 में अजमेर नगर परिषद् की स्थापना की गई, सन् 1879 में लोको वर्कशाप एवं कैरिज वर्कशाप की स्थापना की गई। सन् 1875 में शिक्षा के क्षेत्र में मेयो कॉलेज, 1896 में राजकीय महाविद्यालय, सन्1919 में सोफिया स्कूल व महाविद्यालय तथा सन् 1904 में सैन्ट एन्सलम स्कूल इत्यादि शैक्षणिक संस्थाओ का विकास हुआ। सन 1895 में क्लाक टावर व विक्टोरिया अस्पताल का निमार्ण हुआ। सन् 1900–1947 के मध्य में केसर गंज, गुलाबबाड़ी, विकास हुआ। स्वंतत्रता प्राप्ति के पश्चात यहॉ काफी बड़ी मात्रा में शरणार्थी आए और अव्यवस्थित रूप से शहर के विभित्र क्षेत्रों में बस गए।

सन् 1960 – 70 के दशक में क्षेत्रीय महाविद्यालय, आयुर्विज्ञान महाविद्यालय, एच.एम.टी. आदि विकसित हुए। शहर के सुनियोजित विकास हेतु वर्ष 1962 में नगर सुधार न्यास की स्थापना हुई। सन् 1968 में बनास पेयजल परियोजना का विकास हुआ। नगर नियोजन विभाग द्वारा सन् 1971 में अजमेर का प्रथम मास्टर प्लान तैयार किया गया था। नगर सुधार न्यास द्वारा वर्ष 1970 –80 के दशक में शास्त्री नगर, शास्त्री नगर विस्तार, भगवान गजं, नाकामदार, वैशाली नगर, आनासागर सर्कूलर रोड़, धोला भाटा आवासीय योजनाओ का विकास किया गया। इसी प्रकार कोतवाली योजना, खाईलैण्ड, जे.एल.एन. शॉपिग सेन्टर वैशाली नगर क्षेत्रों में वाणिज्यिक योजनाओं का विकास हुआ।

सन् 1980 – 90 के दशक में नगर सुधार न्यास द्वारा ज्वालाप्रसाद नगर, हरिभाऊ उपाध्याय नगर, अर्जुनलाल सेठी नगर, नाका मदार एवं एम.डी.नगर आवासीय कॉलोनियो का विकास किया गया। सन् 1991 – 2000 के दौरान हरिभाऊ उपाध्याय नगर विस्तार, छतरी योजना, बाल कृष्ण कौल नगर योजना, चन्द्रवरदायी नगर, पंचशील नगर, कोटडा तथा हरिभाऊ उपाध्याय मुख्य योजना, महाराणा प्रताप नगर, आवासीय योजनाओं तथा बकरा मण्डी एवं ट्रासंपोर्ट नगर, इंदिरा कॉम्पलेक्स का विकास हुआ एवं जवाहर रंगमंच का निर्माण हुआ है। इसी दौरान पृथ्वीराज बाजार, ब्यावर रोड़ पर कृषि उपज मण्डी, सब्जी मण्डी, पडाव में वाणिज्यिक गतिविधियो के अतिक्ति कई सामुदायिक भवनों के निर्माण हुए।

औद्योगिक प्रयोजनार्थ रीको द्वारा ब्यावर रोड़ पर इण्यिन ऑयल डिपो के सामने वर्ष 1986 में औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया गया। इसी तरह एच.एम. टी. के आसपास के क्षेत्र का औद्योगिक क्षेत्र के रूप में विकास हुआ। वर्तमान में माखुपुरा, परबतपुरा के आसपास के क्षेत्र में औद्योगिक विकास हुआ है। यातायात नियंत्रण एवं शहर में वाहनों के आवागमन के दवाब को कम करने के लिये घूघरा से जयपुर – उदयपुर बाईपास, घूघरा – पुष्कर बाईपास का निर्माण किया गया जिसे बाद में अजमेर – बीकानेर राष्ट्रीय उच्च मार्ग 89 अधिघोषित किया गया।

वर्ष 1960 –70 के मध्य अजमेर की पेयजल व्यवस्था हेतु बनास परियोजना से अजमेर तक पाईप लाईन डाल कर आपूर्ति की गई, लेकिन शहर में नए–नए आवासीय क्षेत्रो के विकास के साथ–साथ पेय जल समस्या के निराकरण के लिये वर्ष 1995 में बीसलपुर परियोजना से जलापूर्ति की गई, जो कि अजमेर शहर की अधिकांश पेयजल आपूर्ति का मुख्य स्त्रोत है। रेल्वे क्षेत्रा में बूढ़ा पुष्कार सहित बीसलपुर परियोजना से भी पेयजल आपूर्ति की जा रही है।

2-4 tukfddh%

1941 में अजमेर शहर की जनसख्या 1,47,258 थी। स्वतन्त्रता प्राप्ति के दौरान बाहर से काफी शरणार्थी आकर अजमेर में बस गए, जिससे 1941– 1951 के दशक में वृद्वि दर 33.53% हो गई। इस दौरान जल समस्या अत्यधिक बढ़ गई। शहर में दो–तीन दिन में एक आधे घटें के लिये ही पानी आता था। अतः औद्योगिक गतिविधियॉ प्रभावित हुई। सन्1960–70 में बनास नदी से पानी लाकर पेयजल की आपूर्ति की गई लेकिन फिर भी पानी की कमी बनी रही। वर्ष 1951–61 एवं 1961–71 के दशक में अजमेर शहर की जनसंख्या वृद्वि दर क्रमशः 17.60% एवं 14.29% रही है, जो कि काफी कम है। 1971–81 के दशक में जनसंख्या वृद्वि दर 42.11% हो गई जबकि 1981–91 के दशक में वृद्वि दर पुनः घटकर 7.22% ही रही। यह आकड़े पूर्णयता सही स्थिति नही दर्शाते क्योकि 1981 की गणना के समय अजमेर शहर में आसपास के गावों को शहर सीमा में शामिल कर लिया गया था एवं 1991 की जनगणना से पूर्व सन् 1987 में नगर परिषद सीमा से कई गावों को निकाल दिया गया था। वर्तमान में वर्ष2001 की जनगणना के अनुसार शहर की जनसंख्या 4,85,575 है। 1991 – 2001 के दशक में वृद्वि दर 20.57% रही है। अजमेर की जनसंख्या वृद्वि प्रवृति को तालिका संख्या 1में दर्शाया गया है।

Rkfydk l[;k 1

जनसंख्या वृद्वि की प्रवृति, अजमेर– 1941 –2001

क्र.सं.	वर्ष	जनसंख्या	अन्तर	प्रतिशत
1.	1941	1,47,258	–	–
2.	1951	1,96,633	49,375	33.53
3.	1961	2,31,240	34,607	17.60
4.	1971	2,64,291	33,051	14.29
5.	1981	3,75,593	1,11,302	42.11
6.	1991	4,02,700	27,107	7.22
7.	2001	485575	82,875	20.57

स्त्रोत : जनगणना – 2001